भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर (2026-2027)

कक्षा - 9	विषय – हिंदी (पाठ्यक्रम-ब) पाठ्यपुस्तक – गंगा	Date – 03-08-2026
प्रश्न बैंक	पाठ: संवादहीन लेखक – शेखर जोशी	Note: Pl. file in portfolio

नाम :_____अनुभाग :_____अनुक्रमांक :_____दिनांक: _____

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. ताई के जीवन में मिट्ठू का क्या महत्त्व था?

उत्तर: मिट्ठू ताई के अकेले और सूने जीवन का सबसे बड़ा सहारा बन गया था। वह उनसे बातें करता, उनका मन बहलाता और उन्हें अपनापन महसूस कराता था। ताई उसे अपने परिवार के सदस्य की तरह प्यार करती थीं। उसके आने से उनका सुनसान घर फिर से हँसी-खुशी और चहल-पहल से भर गया था।

2. ताई मिट्ठू के लिए क्या-क्या करती थीं?

उत्तर: ताई मिट्ठू की बहुत प्रेम से देखभाल करती थीं। वे उसके लिए प्रतिदिन दाल-भात बनातीं, रोटी बचाकर रखतीं और हरी मिर्च तथा अमरूद लाकर खिलाती थीं। वे उसकी हर छोटी-बड़ी आवश्यकता का ध्यान रखती थीं। मिट्ठू की खुशी ताई के जीवन की सबसे बड़ी खुशी बन गई थी।

3. मिट्ठू के उड़ जाने पर गाँव वाले क्यों चिंतित हो गए?

उत्तर: मिट्ठू के उड़ जाने पर गाँव के सभी लोग बहुत चिंतित हो गए। वे जानते थे कि ताई अपने अकेलेपन में मिट्ठू को ही अपना सबसे बड़ा सहारा मानती थीं। उन्हें डर था कि कुंभ स्नान से लौटकर जब ताई मिट्ठू को नहीं पाएँगी, तो उन्हें गहरा सदमा पहुँचेगा, वे बहुत दुखी हो जाएँगी।

4. ताई कुंभ स्नान पर जाते समय क्यों रो रही थीं?

उत्तर: ताई कुंभ स्नान पर जाते समय इसलिए रो रही थीं क्योंकि उन्हें मिट्ठू को छोड़कर जाने का बहुत दुःख था। वे बार-बार उसे प्यार करतीं, जल्दी लौट आने का आश्वासन देतीं और उसकी चिंता करती रहती थीं। ताई को विश्वास था कि मिट्ठू भी उनकी अनुपस्थिति में उन्हें याद करेगा।

5. 'संवादहीन' कहानी हमें क्या संदेश देती है?

उत्तर: 'संवादहीन' कहानी हमें सिखाती है कि परिवार का प्रेम, अपनापन और संवाद जीवन में बहुत आवश्यक हैं। अकेलापन मनुष्य को दुखी बना देता है। हमें अपने बुज़ुर्गों की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए तथा पशु-पक्षियों के प्रति भी प्रेम, दया और संवेदनशीलता का व्यवहार करना चाहिए।

6. "भगवान! कैसे नैया पार लगेगी?" ताई इस वाक्य में किस 'नैया' की बात कर रही हैं?

उत्तर: यहाँ 'नैया' का अर्थ ताई के जीवन रूपी नैया से है। ताई का भरा-पूरा परिवार बिखर गया था, बच्चे शहर चले गए थे और वे उस बड़े घर में बिल्कुल अकेली रह गई थीं। अपने अकेलेपन और बुढ़ापे के कष्टों को देखकर वे चिंतित होकर ईश्वर से पूछती हैं कि अब आगे का जीवन कैसे कटेगा और उनका अंत समय कैसे पार लगेगा।

7. "धीरे-धीरे सब पराए हाथ में चला गया।" - वाक्य में किस घटना की ओर संकेत किया गया है?
उत्तर: इस वाक्य में ताई के संयुक्त परिवार और कारोबार के बिखरने की ओर संकेत किया गया है। उनके बेटे शहर जाकर बस गए, बेटियों की शादी हो गई। घर की देख-रेख करने वाला कोई नहीं बचा, जिसके कारण धीरे-धीरे उनकी खेती-बाड़ी और घर की सुख-सुविधाएँ दूसरों (परायों) के नियंत्रण में चली गईं।
8. "ताई की सारी ममता मिट्ठू पर बरस पड़ी।" क्यों?
उत्तर: ताई के पास अब अपना कहने वाला कोई नहीं था। जब गनपत उनके लिए एक प्यारा-सा पहाड़ी तोता (मिट्ठू) लेकर आया, तो ताई को अपने अकेलेपन में एक साथी मिल गया। अपनी संचित ममता, जो कभी अपने बच्चों और पोते-पोतियों के लिए थी, अब वे उस तोते पर लुटाने लगीं क्योंकि वही अब उनके सुख-दुःख का एकमात्र सहारा था।
9. "अब ताई को इस बात की पूरी जानकारी रहने लगी थी कि किसके खेत में हरी मिर्चें तैयार हो गई हैं और किस पेड़ में फसल के आखिरी अमरूद बचे हैं।" इस वाक्य द्वारा ताई के व्यक्तित्व में आए परिवर्तनों के विषय में क्या-क्या पता चलता है?
उत्तर: इस वाक्य से पता चलता है कि मिट्ठू के आने से ताई के व्यक्तित्व में सजीवता और उत्साह लौट आया था। जो ताई पहले अपने लिए खाना बनाने में भी आलस्य करती थीं, अब वे मिट्ठू की पसंद का ख्याल रखने के लिए सतर्क और सक्रिय रहने लगीं। उनमें जीने की नई इच्छा जागी और वे अपने परिवेश के प्रति अधिक जागरूक हो गईं।
10. "जगन मास्टर दूसरे मिजाज के आदमी थे।" जगन मास्टर का व्यक्तित्व कैसा था? कहानी में से उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: जगन मास्टर आदर्शवादी, दयालु और स्वतंत्र विचारों के व्यक्ति थे। उन्हें किसी जीव को बंधन में देखना पसंद नहीं था।
उदाहरण: जब उन्होंने मिट्ठू को पिंजरे में बंद देखा, तो उन्हें बेचैनी होने लगी। मिट्ठू को कैद से आज़ाद करने के लिए वे अपने घर का दरवाज़ा बंद करके उसे पिंजरे से बाहर निकालते थे ताकि वह कम-से-कम कमरे के अंदर आज़ादी महसूस कर सके। वे जीवों की स्वतंत्रता का सम्मान करते थे।
11. कहानी का शीर्षक 'संवादहीन' किसके लिए सबसे अधिक सार्थक प्रतीत होता है– ताई, जगन मास्टर, मिट्ठू या नया तोता? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: कहानी का शीर्षक 'संवादहीन' सबसे अधिक नए तोते के लिए सार्थक प्रतीत होता है। पुराना मिट्ठू ताई के साथ बातें करता था, उनके सवालों के जवाब देता था और उनके दुख-सुख का साथी था। लेकिन ताई के लौटने पर जो नए (एजूकेटेड) तोते को लाया गया, वह ताई से कोई संवाद नहीं कर पाया। ताई के बुलाने पर भी उसका चुप रहना ही उस 'संवादहीनता' को दर्शाता है, जिसने ताई के एकाकीपन को और गहरा कर दिया।
12. "अब वे ही दो प्राणी गाँव के बीच में स्थित बड़े घर के उस सूने खंडहर में एक-दूसरे को सहारा देने के लिए रह गए थे।" ताई के बड़े से घर को 'सूना खंडहर' क्यों कहा गया होगा?
उत्तर: ताई के घर को 'सूना खंडहर' इसलिए कहा गया क्योंकि जिस घर में कभी रौनक, नौकर-चाकर और बच्चों का शोर रहता था, वह अब एकदम खाली और खामोश हो गया था। घर की भौतिक स्थिति भी खराब हो रही थी और अपनों के अभाव में वह विशाल भवन केवल एक निर्जीव ढाँचा मात्र रह गया था, जहाँ केवल ताई और मिट्ठू ही बचे थे।